प्रेस नोट

विदित् है कि सेवा संस्कार शिवपुरी विद्यार्थियौं हेतु नि:शुल्क शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए 24.11.1988 से श्री मधुसूदन चौबे सर के शिक्षण एवं मार्गदर्शन में सतत् सक्रिय है | वर्ष 2003 में तत्कालीन शिवपुरी कलेक्टर श्री वी.एल. कान्ताराव जी के विशेष प्रयास से उक्त कार्य बाल भवन, वीर सावरकर उद्यान में अपने अभीष्ट उद्देश्य अनवरत संचालित है | स्मरण रहे इस पवित्र कार्य को समय-समय पर अभी तक के जिलाधीशों ने सराहा है, संरक्षित किया है | अप्रैल 2015 में तत्कालीन शिवपुरी कलेक्टर श्री राजीवचन्द्र दुबे जी, बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, एस.डी.एम. श्री रूपेश उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुन्नालाल कुशवाह जी, नगर पालिका सी एम ओ श्री रणवीर सिंह के द्वारा उक्त कार्य हेतु निर्मित स्थान में संचालित है | परन्तु पार्षद पति श्री रामू गुर्जर एवं पार्क प्रबंधन के कुछ कर्मचारी अशिष्ट व्यवहार, अभद्रता के द्वारा परेशान करते रहते हैं | पिछले मार्च माह में भी पार्षद पति द्वारा ऐसा किया गया तब तत्कालीन कलेक्टर श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव जी ने बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. शर्मा के साथ आकर बाल भवन में आकर उस समय संचालित कक्षाओं के विद्यार्थियों से बात की और श्री रामू गुर्जर द्वारा जो भ्रामक जानकारी फैलाई गयी थी उसको पूर्णतः मिथ्या पाया | कलेक्टर श्रीवास्तव जी ने जब वस्तु स्थिति से खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमंत यशोधरा राजे जी को अवगत कराया तो उन्होंने तुरंत संज्ञान ले प्रशासन को बोला **"श्री चौबे सर को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए"** और बाल भवन पूर्णतः भयमुक्त हो गया परन्तु विगत कुछ दिनों से पार्षद पति श्री रामू गुर्जर एवं पार्क प्रबंधन के कुछ कर्मचारी परेशान कर रहे हैं | कल दिनांक 8.9.17 को जब कक्षा समय उपरांत शिक्षक और विद्यार्थी ताला लगा ही रहे थे तभी पार्क के कर्मचारी श्री धर्मेन्द्र एवं उनके अन्य साथियों ने ताला लगाने से असभ्य व्यवहार कर बल पूर्वक रोका परन्तु उनको अलग कर ताला लगाकर जब बाल भवन शिक्षक एवं विद्यार्थी जाने लगे तो उसी समय पार्षद पति आकर(पार्क के मुख्य द्वार पर, उपस्थित जन समूह के सामने) अशिष्ट, अभद्र व्यवहार करने लगे और अमर्यादित शब्द कह सभी के सामने ताले तोड़ने और मारने की धमकी दी |

उक्त वाकया को कुछ समाचार पत्रों ने अपूर्ण जानकारी के आधार पर प्रकाशित किया है उसका हम खंडन करते हैं |

सम्म्मानीय पत्रकार महोदय को अवगत हो कि

1. परम आदरणीय मधुसूदन चौबे सर की कक्षाएं नियमित चल रही हैं| बाल भवन की सम्पूर्ण व्यवस्था पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थी करते हैं, चाहे वह सफाई हो, पार्क प्रबंधन या नगर पालिका ने कभी भी बाल भवन की सफाई नहीं कराई है।

2. बाल भवन आदरणीय चौबे सर द्वारा संस्कारित एक ऐसी व्यवस्था है, जहां अध्ययन कर कई विद्यार्थी उच्च पदों, प्रतिष्ठित व्यवसायों, सामाजिक क्षेत्रों में सफलता पूर्वक कार्य कर रहे हैं, जिसका महत्व एवं प्रमाण सभी के समक्ष है |

3. ताला लगाने की बात जो आई है तो सभी को विदित हो बाल भवन निःशुल्क शिक्षा, विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। आदरणीय चौबे सर कहते हैं कि यह निःशुल्क तो काम चलाऊ हो ऐसा न हो, बेस्ट होना चाहिए अतः शिक्षा के लिए आवश्यक सभी आधुनिक संसाधनों की व्यवस्था सर के पूर्व विद्यार्थियों, परमार्थी जन द्वारा की है, इस कारण बाल भवन को खुला कैसे छोड़ा जा सकता है?

सम्मानीय पत्रकारजन वस्तु स्थिति को सभी के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे ऐसी हमारी विनम्र अपेक्षा है।